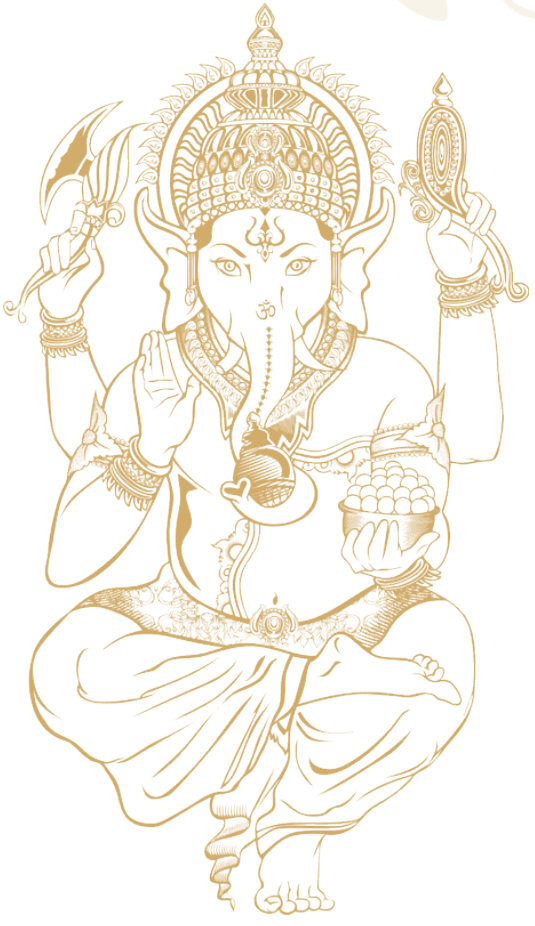

Yash Kumar

16 Sep 2010

12:10 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120994406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/09/2010**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**00:10:00 घंटे**
इष्ट	45:02:53 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:46:20 घंटे
वेलान्तर	00:04:40 घंटे
साम्पातिक काल	23:24:48 घंटे
सूर्योदय	06:08:50 घंटे
सूर्यास्त	18:28:36 घंटे
दिनमान	12:19:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:48:32 सिंह
लग्न के अंश	09:52:12 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:52:12	325:42:18	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			सिंह	28:48:32	00:58:29	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	स्वराशि
चंद्र			धनु	05:02:06	12:31:24	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			तुला	06:32:47	00:40:07	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			सिंह	11:57:59	00:26:02	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	05:08:11	00:07:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			तुला	11:02:19	00:38:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि		अ	कन्या	11:51:41	00:07:17	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
राहु			धनु	14:59:27	00:00:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
केतु			मिथु	14:59:27	00:00:08	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	नीच राशि
हर्ष	व		मीन	04:50:00	00:02:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
नेप	व		कुंभ	02:35:52	00:01:26	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो			धनु	08:46:44	00:00:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	26:24:48	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:41

लग्न-चलित

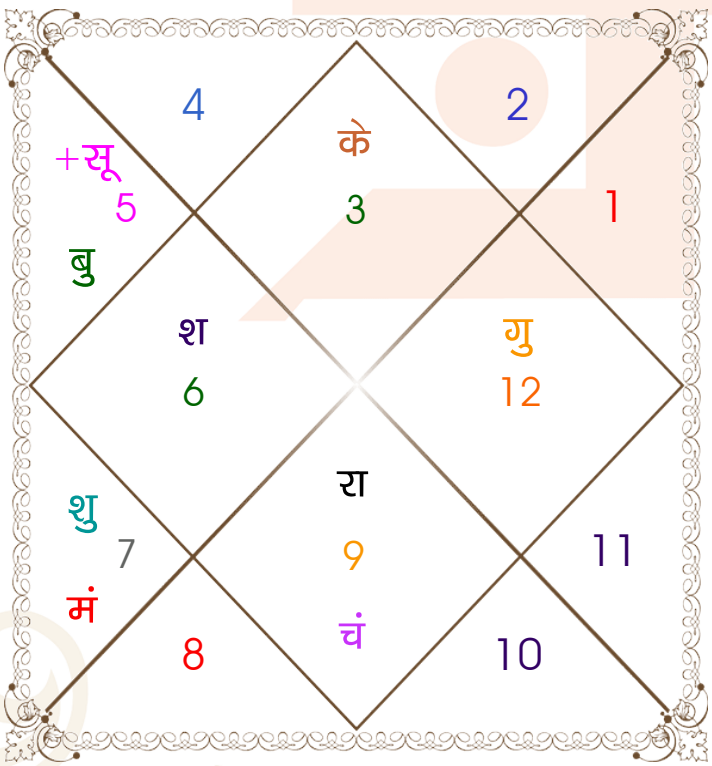

चन्द्र कुंडली

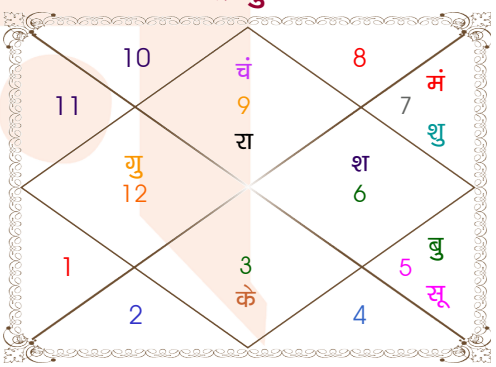

नवमांश कुंडली

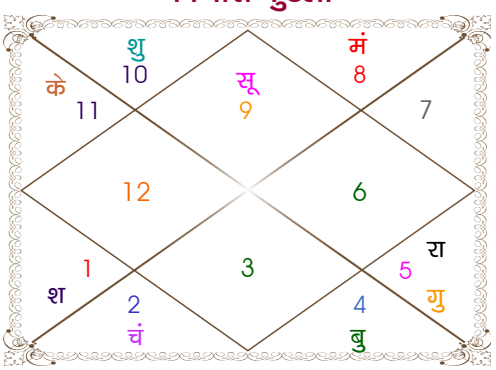

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 4 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/09/2010		24/01/2015		24/01/2035		23/01/2041		24/01/2051	
24/01/2015		24/01/2035		23/01/2041		24/01/2051		24/01/2058	
	00/00/0000	शुक्र	25/05/2018	सूर्य	13/05/2035	चंद्र	24/11/2041	मंगल	22/06/2051
	00/00/0000	सूर्य	26/05/2019	चंद्र	12/11/2035	मंगल	25/06/2042	राहु	09/07/2052
	00/00/0000	चंद्र	23/01/2021	मंगल	19/03/2036	राहु	25/12/2043	गुरु	15/06/2053
	16/09/2010	मंगल	25/03/2022	राहु	11/02/2037	गुरु	25/04/2045	शनि	25/07/2054
मंगल	24/12/2010	राहु	25/03/2025	गुरु	30/11/2037	शनि	24/11/2046	बुध	22/07/2055
राहु	12/01/2012	गुरु	24/11/2027	शनि	12/11/2038	बुध	24/04/2048	केतु	18/12/2055
गुरु	18/12/2012	शनि	24/01/2031	बुध	18/09/2039	केतु	23/11/2048	शुक्र	17/02/2057
शनि	27/01/2014	बुध	24/11/2033	केतु	24/01/2040	शुक्र	25/07/2050	सूर्य	24/06/2057
बुध	24/01/2015	केतु	24/01/2035	शुक्र	23/01/2041	सूर्य	24/01/2051	चंद्र	24/01/2058

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/01/2058		24/01/2076		24/01/2092		25/01/2111		25/01/2128	
24/01/2076		24/01/2092		25/01/2111		25/01/2128		00/00/0000	
राहु	06/10/2060	गुरु	13/03/2078	शनि	27/01/2095	बुध	22/06/2113	केतु	22/06/2128
गुरु	01/03/2063	शनि	24/09/2080	बुध	06/10/2097	केतु	20/06/2114	शुक्र	22/08/2129
शनि	05/01/2066	बुध	30/12/2082	केतु	15/11/2098	शुक्र	19/04/2117	सूर्य	28/12/2129
बुध	25/07/2068	केतु	06/12/2083	शुक्र	15/01/2102	सूर्य	24/02/2118	चंद्र	29/07/2130
केतु	12/08/2069	शुक्र	06/08/2086	सूर्य	28/12/2102	चंद्र	26/07/2119	मंगल	17/09/2130
शुक्र	12/08/2072	सूर्य	26/05/2087	चंद्र	29/07/2104	मंगल	23/07/2120		00/00/0000
सूर्य	07/07/2073	चंद्र	24/09/2088	मंगल	06/09/2105	राहु	09/02/2123		00/00/0000
चंद्र	05/01/2075	मंगल	30/08/2089	राहु	13/07/2108	गुरु	17/05/2125		00/00/0000
मंगल	24/01/2076	राहु	24/01/2092	गुरु	25/01/2111	शनि	25/01/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 4 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।